जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. बी.एस. द्विवेदी
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक– 17
दिनांक–16.02.2026

किसानों के लिए मृदा परीक्षण आधारित STCR तकनीक, उपज लक्ष्य निर्धारित करें– डॉ. संजय श्रीवास्तव

जनेकृविवि में भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान (आईआईएसएस), भोपाल, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अधिकारियों ने किया भ्रमण

जबलपुर 16 फरवरी, 2026। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की प्रेरणा से विश्वविद्यालय अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार के क्षेत्र में लगातार उन्नति और प्रगति कर रहा है। इसी श्रंखला में भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान (आईआईएसएस), भोपाल, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) से डॉ. संजय श्रीवास्तव, प्रधान वैज्ञानिक एवं परियोजना समन्वयक अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना मृदा परीक्षण एवं फसल अनुक्रिया, के साथ डॉ. प्रमोद झा, प्रधान वैज्ञानिक का मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन शास्त्र विभाग में आगमन हुआ। इस दौरान डॉ. संजय सहित अन्य ने भ्रमण कर STCR आधारित गतिविधियों का मृदा परीक्षण labs, Field experiments लक्षित उपज निर्धारण, उर्वरक अनुशंसा, तथा FLDs पर चल रहे प्रदर्शन कार्यों का अवलोकन किया गया। डॉ. संजय श्रीवास्तव ने तकनीक के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक सुझाव दिए। आपके द्वारा मृदा परीक्षण आधारित तकनीक को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने की बात कही गई, ताकि वे अपनी जमीन की उर्वरता के अनुसार उर्वरकों का संतुलित उपयोग कर सकें। इससे न केवल फसल की उत्पादकता बढ़ेगी, बल्कि लागत में कमी और मिट्टी की सेहत भी बेहतर बनी रहेगी। इसी तरह डॉ. प्रमोद झा, प्रधान वैज्ञानिक द्वारा भी कार्बन प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य सुधार पर कार्य के महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष एवं आचार्य डॉ. बी. के. दीक्षित, परियोजना अन्वेषक ने कहा कि 5 टन गोबर खाद प्रति हेक्टेयर उपयोग करने से मृदा की संरचना में सुधार होता है और इसके साथ–साथ पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ती है। डॉ. जी. एस. टैगोर परियोजना सह–अन्वेषक ने मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन शास्त्र द्वारा परियोजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों, प्रायोगिक परिणामों एवं किसानों को दी जा रही अनुशंसाओं की जानकारी प्रस्तुत की।

गौरतलब है कि STCR (Soil Test Crop Response) आधारित लक्षित उपज तकनीक आधुनिक कृषि की एक उन्नत, वैज्ञानिक एवं टिकाऊ पद्धति है। जिसमें मृदा परीक्षण मान और निर्धारित उपज लक्ष्य आधार पर उर्वरकों की सटीक मात्रा निर्धारित की जाती है, अर्थात किसान पहले से तय कर सकता है कि उसे कितनी उपज प्राप्त करनी है और उसी अनुसार उर्वरक मात्रा निर्धारित की जाती है। इस तकनीक का विकास आईसीएआर के अंतर्गत अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना द्वारा किया गया है। STCR तकनीक प्रमुख घटकों पर आधारित होती है, किसी फसल द्वारा 1 क्विंटल उपज उत्पादन हेतु आवश्यक पोषक तत्व की मात्रा, मृदा में उपलब्ध पोषक तत्वों का फसल उत्पादन में योगदान उर्वरक द्वारा दिए गए पोषक तत्वों का फसल द्वारा उपयोग प्रतिशत, मृदा परीक्षण मान एवं उपज लक्ष्य को समीकरण में रखकर उर्वरक मात्रा ज्ञात की जाती है। अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना मृदा परीक्षण एवं फसल अनुक्रिया, मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन शास्त्र विभाग जनेकृविवि जबलपुर परियोजना के अंतर्गत अब तक 23 से अधिक फसलों के लिए संतुलित उर्वरक अनुशंसा हेतु समीकरण तैयार किए जा चुके हैं।

इस अवसर पर विभाग के डॉ. राकेश साहू, डॉ. बी. एस. द्विवेदी, श्री धर्मेन्द्र विजयवर्गीय, डॉ. शैलू यादव एवं अनुसंधान कर रहे छात्र एवं छात्राएं भी उपस्थित रहे।